

# विवाहकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय ..... अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं महाधायक, जयपुर स्थित जयपुर न्यायालय (सिविल)  
 विरुद्ध ..... महावीर सिंह व अन्य ..... श्री. वी. के. शर्मा व अन्य  
 वाद बाबत ..... महावीर सिंह व अन्य

वाद सं० ..... 1801 ..... सन् ..... 2024  
 बनाम ..... श्री. वी. के. शर्मा पुत्र ..... श्री. वी. के. शर्मा ..... श्री. वी. के. शर्मा, श्री. वी. के. शर्मा  
 स्थान ..... जिला ..... 167, जयपुर जिला, जयपुर नगर 3  
 कालाहाट रोड, जयपुर 3

..... ने आपके विरुद्ध ..... के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख ..... 06 माह ..... 02 सन् ..... 2024 को दिन में ..... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता 0 ..... 11 माह ..... 06 सन् ..... 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

.....  
 न्यायाधीश

- यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश कराने के लिये साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्च की रकम जमा कराके ले सकते हैं।
- यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि दावे के खर्च के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावे जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरुद्ध न करना पड़े।

.....

सेवाम,

श्रीमान अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट ( पश्चिम)  
जयपुर महानगर, द्वितीय

मूल दीवानी वाद संख्या /2024

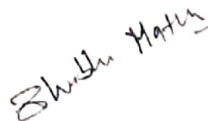
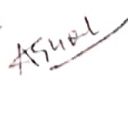
1. श्री महावीर सिंह शेखावत पुत्र श्री भंवर सिंह जी आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 84, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
2. श्री अशोक कुमार गोयल पुत्र श्री बनारसी लाल गोयल आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 155, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
3. श्री शुभम माथुर पुत्र श्री अखिलेश माथुर आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 116, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
4. श्री योगेश घीया पुत्र श्री विष्णू प्रसाद घीया आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 10, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
5. श्रीमती सुमन चोटिया पत्नी श्री अशोक कुमार चोटिया आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 70, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
6. श्री संदीप कुमार अग्रवाल पुत्र श्री धरमपाल अग्रवाल आयु 49 वर्ष निवासी विला नम्बर 124, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
7. श्री वरुण बंब पुत्र श्री नवरतन बंब आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 81, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।

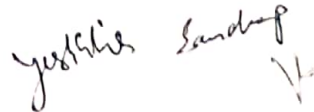
.....वादीगण

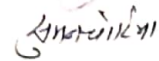
बनाम

1. श्री नवीन ढाका, मुख्य चुनाव अधिकारी, कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी पता विला नम्बर- 167, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान। पिन-302012
2. श्री कुष्ण लाल शर्मा, चुनाव अधिकारी, कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी पता विला नम्बर- 119, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान।
3. श्री प्रवीण बागडी, चुनाव अधिकारी, कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी पता विला नम्बर- 181, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड,







जयपुर, राजस्थान।

4. श्री जगदीश चौधरी अध्यक्ष कुष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी आयु 45 वर्ष पता विला नम्बर-71, 72, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान।
5. श्री रजनीकांत जांगिड (सचिव) कुष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी आयु 45 वर्ष पता विला नम्बर-60 कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान।

.....प्रतिवादीगण

दावा बाबत घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा।

वादीगण कि ओर से यह वादपत्र निम्नानुरार प्रस्तुत है-

1. यह कि ग्राम गोकुलपुरा, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर में कृष्णा कुंज विलाज के नाम से एक आवासीय योजना है, जिसमें विभिन्न साईज के तकरीबन 195 दो मंजिल वाले मकान (विला) बने हुए हैं, उक्त कृष्णा कुंज विलाज में वादीगण के स्वामित्व व आधिपत्य के मकान स्थित हैं।
2. यह कि उक्त कॉलोनी की मेन्टीनेंस के लिए कॉलोनी के निवासियों ने कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी के नाम से एक संस्था बना रखी है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रार सोसाईटीज, जयपुर के यहां करवा रखा है जिसका पंजीकरण संख्या COOP/2020/JAIPUR/201120 है, वादीगण ने 100/- रूपये का सदस्यता शुल्क जमा करवाकर नियमानुसार उक्त सोसाईटी की सदस्यता प्राप्त की है और वर्तमान में वादीगण उक्त संस्था के सदस्य हैं तथा वादपत्र के उनवान में दर्ज अपनी-अपनी विला में अपने परिवार सहित निवास कर रहे हैं।
3. यह कि उक्त सोसाईटी के द्विवार्षिक चुनाव सत्र 2024-26 दिनांक 26.05.24 को प्रस्तावित थे जिसमें चुनाव करवाने हेतु पूर्व अध्यक्ष जगदीश चौधरी व रमाकांत जांगिड ने अपने चहेते नवीन ढाका को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिया है। जिन्होंने चुनाव कार्यक्रम तय कर निम्न पदों के लिए आवेदन मांगे थे-
 

|                   |  |
|-------------------|--|
| (1) अध्यक्ष एक पद | (1) श्री महावीर सिंह शेखावत (2) श्री जगदीश चौधरी     |
| उपाध्यक्ष एक पद   | (1) श्री अशोक कुमार गोयल (2) श्री रजनीकांत जांगिड    |
| सचिव एक पद        | (1) श्री शुभम माथुर (2) श्री राजीव कुमार             |
| कोषाध्यक्ष एक पद  | (1) श्री योगेश घीया (2) श्री रामगोपाल बिहानी         |
| सदस्य एक पद       | (1) श्रीमती सुमन चोटिया (2) श्री राम सिंह शेखावत     |
| सदस्य एक पद       | (1) श्री संदीप कुमार अग्रवाल (2) श्रीमती राजेश माथुर |
| सदस्य एक पद       | (1) श्री बरूण बम्ब (2) श्रीमती वर्षा अवरथी           |

Shukla Mahesh  
 Atmou  
 Jyoti Sandeep  
 सुमन चौधरी



ही प्राप्त करते लेकिन चुनाव अधिकारी के गलत तरीके से प्रतिवादीगण को लाभ पहुँचाने की गरज से चुनाव स्थगित कर दिये जाने के कारण वादीगण के विधिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है जिसके लिए मुख्य चुनाव अधिकारी व चुनाव समिति जिम्मेदार है।

9. यह कि वाद हेतुक दिनांक 25.07.2024 को उस समय उत्पन्न हुआ जब प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 3 ने आम सूचना जारी कर कृष्ण कुंज वेलफेयर सोसाईटी के प्रस्तावित आम चुनाव 26.05.2024 को अवैध रूप से स्थगित कर दिया है तथा समिति की वर्तमान कार्यकारिणी को आम सभा कर चुनावों की नई तारीखें तय करने को निर्देशित कर दिया है।

10. यह कि वाद की मालियत बगर्ज न्यायशुल्क 400/- चार सौ रुपये पर कायम की जाकर 10/- दस रुपये कोर्ट फीस पर दावा प्रस्तुत है।

11. यह कि वाद की विषय वस्तु व क्षेत्राधिकार के आधार पर माननीय न्यायालय को यह वाद सुनने व निर्णित करने के अखत्यारात हासिल है।

12. अतः वाद प्रस्तुत कर श्रीमान से निवेदन है कि वादीगण का वाद स्वीकार फरमाया जाकर प्रतिवादीगण के विरुद्ध व वादीगण के हक में निम्न अनुतोष पारित किये जावे :-

(क) आज्ञाप्ती बहक वादीगण खिलाफ प्रतिवादीगण इस आशय की सादिर फरमाई जाकर चुनाव समिति कृष्ण कुंज वेलफेयर सोसाईटी व प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 3 को निदेशित किया जावे की वो चुनाव प्रक्रिया पूर्ण कर परिणम जारी करें।

(ख) प्रतिवादीगण जरिये रथाई निषेधज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे की वो कृष्ण कुंज वेलफेयर सोसाईटी के रिकार्ड में किसी किसम की कोई छेड-छाड नहीं करें ओर सफल घोषित हाने वाले उम्मीदवारों को तुरन्त समिति का चार्ज सम्मला देवें।

(ग) वाद खर्च वादीगण को प्रतिवादीगण से दिलवाया जावे।

(घ) अन्य दादरसी जो मुफीद हो, वादीगण के पक्ष में पारित की जावे।

जयपुर  
दिनांक

वादीगण

(श्री अशोक कुमार गोयल)

(श्री शुभम माथुर)

(श्री महावीर सिंह)

(श्री योगेश घीया)

(श्रीमती सुमन चोटिया)

(श्री संदीप कुमार अग्रवाल)

(श्री वरुण वंब)



# हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना (साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय श्रीनिर्मल न्यायालय जयपुर एवं महागर न्यायालय (पश्चिम)  
महावीर सि. ए. व. मंत्र विरुद्ध स्थान जयपुर न्यायालय जयपुर  
गर्वीत डी. का. व. अ. म.

वाद/प्रार्थना पत्र आवेदन विवेचना

प्रार्थना-पत्र संख्या 175 / 2024 सन्

नाम नेवी दाका मुख्तुबुल मुताव अधिकारी कुशा कुंज जाति

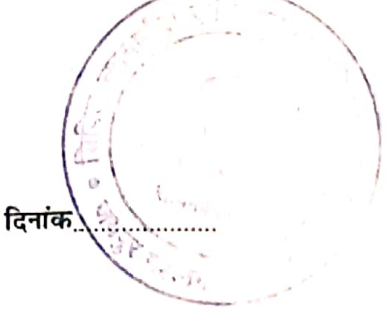
पता विलास नं. 167 कुशा कुंज विलास शेरवावत राउत कुशा

कल्याण रोड जयपुर जयपुर

उक्त प्रति मेमोरेंडम ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 07 सन् 2024 को 1012001 पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 11 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



दिनांक

Jee  
रीडर  
श्रीनिर्मल न्यायालय एवं महागर न्यायालय  
राज पंचायत जयपुर न्यायालय

# हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना (साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायालय एवं न्यायाधीश पदोपस्थापना  
सहायक न्यायाधीश विरुद्ध नवीन राज व अन्य

वाद/प्रार्थना पत्र अपील नं. 175/2024

प्रार्थना-पत्र संख्या 175/2024 सन्

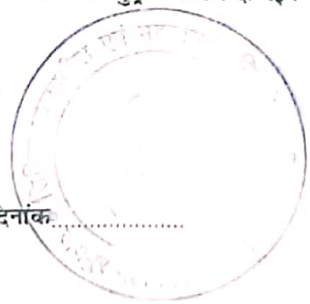
नाम श. कृष्ण लाल शर्मा पुत्र गुणव अशोक शर्मा ज्ञाति

पता बिला मन्दार 119, बृष्ण कुंज बिल्डिंग, गैरवाकव मठ  
दुपाड़ा, कामाड़ोई, गुणव इलाका

उक्त प्रति किराये ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 07 सन् 2024 को 10:30AM पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 11 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



दिनांक.....

[Signature]  
रीडर  
न्यायालय  
जयपुर न्यायालय-दिलीप

[Handwritten mark] [Signature]

[Handwritten mark]



# हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना (साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय अविहित सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत न्यायालय स्थान जयपुर

महवीर सिंह व अन्य विरुद्ध बतीर लोका व अन्य

वाद/प्रार्थना पत्र आवेदन नं. 175/2024

प्रार्थना-पत्र संख्या 175/2024 सन

नाम श्री प्रवीण शर्मा पुत्र श्री. राजेश शर्मा जाति ब्राह्मण

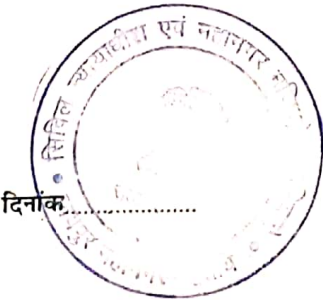
पता विलाज नं. 181, बृष्णा, बुंग विमान, श्रीवास्तव राज वी.ए.ए.

कालवाड़ रोड, मुम्बई

उक्त श्री. प्रवीण शर्मा ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि अल्प आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 07 सन 2024 को 10/2024 पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 11 माह 06 सन 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



दिनांक .....

[Signature]  
रीडर  
न्यायालय  
जयपुर

[Handwritten mark]

[Handwritten signature]

[Handwritten mark]

# हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना (साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय सिद्धिगढ़ सिविल न्यायाधीश एवं महाधायक परिषद  
स्थान

नाम महावीर सिंह व अन्य विरुद्ध नवीन दास व अन्य

वाद/प्रार्थना पत्र महावीर सिंह व अन्य

प्रार्थना-पत्र संख्या 175 सन् 24

नाम जगदीश चौधरी महाधायक, ए.पी. जंक्शन रोड, सिद्धिगढ़  
पुत्र जाति

पता बिला नं. 71.72, ए.पी. जंक्शन रोड, सिद्धिगढ़, जयपुर

कालवाड रोड, नया रास्ता

उक्त जुही मंगलानी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 07 सन् 2024 को (01.30.17) पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 11 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



दिनांक.....

Lu  
रीडर  
सिद्धिगढ़ सिविल न्यायाधीश एवं महाधायक परिषद  
न्यायालय

4 Shukla V

# हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना (साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय राजस्थान न्यायालय जयपुर - न.वि. परिसर  
जयपुर न्यायालय  
महल (वि. 9) 245 विरुद्ध रविशंकर दास व अप

वाद/प्रार्थना पत्र आवृत्ति निवेदन

प्रार्थना-पत्र संख्या 175/2024 सन्

नाम रविशंकर दास पुत्र सुभाष कुंज विलास जाति भोजपुरी

पता विलास नं. 60, सुभाष कुंज विलास, शिखावात भागि पथ  
कालवाड़ रोड़, जयपुर राज

उक्त रविशंकर दास ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 08 सन् 2024 को 10:20 पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 11 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।



दिनांक .....

[Signature]  
रीडर  
न्यायालय एवं महानगर परिषद  
जयपुर न्यायालय

[Signature]

[Signature]

0

[Signature]

सेवाम,


श्रीमान अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट ( पश्चिम )  
जयपुर महानगर, द्वितीय

जयपुर पत्र  
संख्या / 2024

1. श्री महावीर सिंह शेखावत पुत्र श्री भंवर सिंह जी आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 84, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
2. श्री अशोक कुमार गोयल पुत्र श्री बनारसी लाल गोयल आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 155, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
3. श्री शुभम माथुर पुत्र श्री अखिलेश माथुर आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 116, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
4. श्री योगेश घीया पुत्र श्री विष्णू प्रसाद घीया आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 10, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
5. श्रीमती सुमन चोटिया पत्नी श्री अशोक कुमार चोटिया आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 70, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
6. श्री संदीप कुमार अग्रवाल पुत्र श्री धरमपाल अग्रवाल आयु 49 वर्ष निवासी विला नम्बर 124, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।
7. श्री वरूण बंब पुत्र श्री नवरतन बंब आयु ..... वर्ष निवासी विला नम्बर 81, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान।  
.....वादीगण/प्रार्थीगण

बनाम

1. श्री नवीन ढाका, मुख्य चुनाव अधिकारी, कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी पता विला नम्बर- 167, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान। पिन-302012
2. श्री कुष्ण लाल शर्मा, चुनाव अधिकारी, कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी पता विला नम्बर- 119, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड,

  
Anand  
Shubham Mathur Jyoti's Sander  


जयपुर, राजस्थान।

3. श्री प्रवीण बागडी, चुनाव अधिकारी, कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी पता विला नम्बर- 181, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान।
4. श्री जगदीश चौधरी अध्यक्ष कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी आयु 45 वर्ष पता विला नम्बर-71, 72, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान।
5. श्री रजनीकांत जांगिड (सचिव) कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी आयु 45 वर्ष पता विला नम्बर-60 कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर, राजस्थान।

.....प्रतिवादीगण/अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत आदेश 39 नियम (1) व (2) सी.पी.सी. सपठित धारा 151 सी.पी.सी

वादीगण/प्रार्थीगण कि ओर से यह प्रार्थना-पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है-

1. यह कि प्रार्थीगण/वादीगण ने एक वादपत्र श्रीमान के समक्ष सुदृढ आधारों पर प्रस्तुत कर दिया है जिसमे सफलता की पूर्ण उम्मीद है।
2. यह कि ग्राम गोकुलपुरा, शेखावत मार्ग के पास, कालवाड रोड, जयपुर मे कृष्णा कुंज विलाज के नाम से एक आवासीय योजना है, जिसमे विभिन्न साईज के तकरीबन 195 दो मंजिल वाले मकान (विला) बने हुऐ है, उक्त कृष्णा कुंज विलाज मे प्रार्थीगण के स्वामित्व व आधिपत्य के मकान स्थित है।
3. यह कि उक्त कॉलोनी की मेन्टीनेंस के लिए कॉलोनी के निवासियों ने कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी के नाम से एक संस्था बना रखी है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रार सोसाईटीज, जयपुर के यहां करवा रखा है जिसका पंजीकरण संख्या COOP/2020/JAIPUR/201120 है, प्रार्थीगण ने 100/- रूपये का सदस्यता शुल्क जमा करवाकर नियमानुसार उक्त सोसाईटी की सदस्यता प्राप्त की है ओर वर्तमान मे प्रार्थीगण उक्त संस्था के सदस्य है तथा प्रार्थना पत्र के उनवान मे दर्ज अपनी-अपनी विला मे अपने परिवार सहित निवास कर रहे है।
4. यह कि उक्त सोसाईटी के द्विवार्षिक चुनाव सत्र 2024-26 दिनांक 26.05.24 को प्रस्तावित थे जिसमे चुनाव करवाने हेतु पुर्व अध्यक्ष जगदीश चौधरी व रमाकांत जांगिड ने अपने चहेते नवीन ढाका को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिया है। जिन्होने चुनाव कार्यक्रम तय कर निम्न पदों के लिए आवेदन मांगे थे-  
(1) अध्यक्ष एक पद (2) उपाध्यक्ष एक पद (3) सचिव एक पद (4) कोषाध्यक्ष एक पद (5) सदस्य एक पद (6) सदस्य एक पद (7) सदस्य एक पद जिस पर चुनाव

*Shubh Mathur* *जगदीश चौधरी* *Sandhya P* *व* *सुजानमोदी*

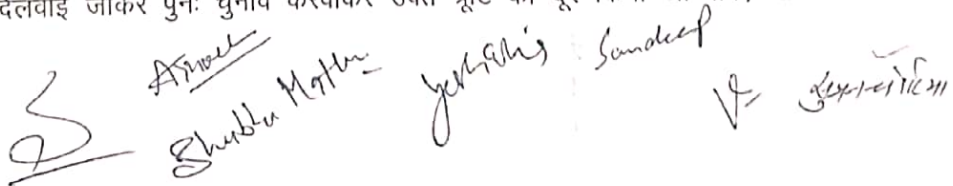
समिति द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार उक्त पदों के लिए निम्न लिखित व्यक्तियों ने उनके नाम के सामने दर्ज पदों के लिए आवेदन किया है-

|                  |  |
|------------------|--|
| अध्यक्ष एक पद    | (1) श्री महावीर सिंह शेखावत (2) श्री जगदीश चौधरी     |
| उपाध्यक्ष एक पद  | (1) श्री अशोक कुमार गोयल (2) श्री रजनीकांत जांगिड    |
| सचिव एक पद       | (1) श्री शुभम माथुर (2) श्री राजीव कुमार             |
| कोषाध्यक्ष एक पद | (1) श्री योगेश घीया (2) श्री रामगोपाल विहानी         |
| सदस्य एक पद      | (1) श्रीमती सुमन चोटिया (2) श्री राम सिंह शेखावत     |
| सदस्य एक पद      | (1) श्री संदीप कुमार अग्रवाल (2) श्रीमती राजेश माथुर |
| सदस्य एक पद      | (1) श्री वरुण बन्धु (2) श्रीमती वर्षा अवरस्थी        |

5. यह कि मुख्य चुनाव अधिकारी श्री नवीन ढाका की अध्यक्षता वाली चुनाव समिति ने उक्त सभी आवेदकों के आवेदन पत्र सही घोषित कर दिये हैं। जबकि चुनाव समिति द्वारा जारी कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी के आम चुनाव हेतु सूचना एवं नियम, पत्र दिनांक 05.05.2024 के नियम संख्या 7 के मुताबिक "चुनाव में प्रत्याशी केवल सोसाईटी सदस्य ही हो सकते हैं" सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट व राजस्थान अपार्टमेन्ट ऑनर मॉडल वाईलॉज 2020 के अनुसार भी केवल सदस्य ही चुनाव लड़ सकते हैं, राजस्थान अपार्टमेन्ट ऑनर मॉडल वाईलॉज 2020 की धारा 5 के नियम (ए) के मुताबिक सभी अपार्टमेन्ट ऑनर्स को 100 रुपये का सदस्यता शुल्क जमा करवाकर सोसाईटी की सदस्यता लेना अनिवार्य है और उक्त औपचारिकता पूरी किये बिना कोई भी व्यक्ति वेलफेयर सोसाईटी का सदस्य नहीं बन सकता है। सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट में भी यही व्यवस्था दी गई है।

6. यह कि उक्त पैरा 3 में अंकित उम्मीदवारों में से श्री जगदीश चौधरी, श्री रजनीकांत जांगिड, श्री राजीव कुमार, श्री रामगोपाल वियानी, श्री राम सिंह शेखावत, श्रीमती राजेश माथुर, श्रीमती वर्षा अवरस्थी ने नामांकन भरने की दिनांक तक 100/- रुपये का सदस्यता शुल्क जमा करवाकर उक्त कृष्णा कुंज वेलफेयर सोसाईटी की सदस्यता प्राप्त नहीं की है, इसलिये उक्त व्यक्ति नियमानुसार उक्त समिति के सदस्य नहीं हैं फिर भी उनके आवेदनों को सही घोषित किया गया था जो सोसाईटी रजिस्ट्रेशन एक्ट व राजस्थान अपार्टमेन्ट ऑनर मॉडल वाईलॉज 2020 तथा चुनाव समिति द्वारा जारी पत्र दिनांक 05.05.2024 के नियम संख्या 7 का खुला उल्लंघन है।

7. यह कि मुख्य चुनाव अधिकारी श्री नवीन ढाका को चुनाव करवाने का कोई अनुभव नहीं है जब उक्त अनियमितताओं की शिकायत उन्हें की गई तो उन्होंने इस बात को पहले तो कोई तवज्जो नहीं दी, लेकिन जब उन्हें प्रार्थीगण द्वारा अपने अधिवक्ता द्वारा विधिक नोटिस भिजवाकर नोटिस प्राप्ति के 3 दिवस के भीतर उक्त श्री जगदीश चौधरी, श्री रजनीकांत जांगिड, श्री राजीव कुमार, श्री रामगोपाल वियानी, श्री राम सिंह शेखावत, श्रीमती राजेश माथुर, एवं श्रीमती वर्षा अवरस्थी के आवेदनों को निरस्त कर शेष उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करने को कहा गया तो, उन्होंने आनन-फानन में अध्यक्ष श्री जगदीश चौधरी, सचिव श्री रजनीकांत जांगिड के प्रभाव में आकर अयोग्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द कर चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने के बजाय, प्रस्तावित चुनाव ही स्थगित कर दिये ताकि पुनः चुनाव करवाया जाकर उक्त अयोग्य उम्मीदवारों को सदस्यता दिलवाई जाकर पुनः चुनाव करवाकर उक्त त्रुटि को दूर किया जा सके, और


  
 Atm...  
 Shubha Mathur  
 Jagan...  
 Sandeep  
 V. ...

अयोग्य व्यक्तियों को निर्वाचित करवाया जा सके।

8. यह कि मुख्य चुनाव अधिकारी ने नियम विरुद्ध रूप से अयोग्य व्यक्तियों के आवेदन रद्द करने के बजाय चुनाव को ही स्थगित कर लोकतंत्र का गला घोट दिया है और अयोग्य उम्मीदवारों को अनुचित लाभ पहुँचाया है, मुख्य चुनाव अधिकारी को चाहिये था कि वो नियमानुसार प्रार्थीगण द्वारा की गई आपत्ती की सुनवाई कर उसका निर्णय करते और नियमानुसार फैसला कर चुनाव प्रक्रिया को पूर्ण करते लेकिन उन्होंने अयोग्य उम्मीदवारों को लाभ पहुँचाने के लिए चुनाव ही स्थगित कर दिया है।

9. यह कि प्रार्थीगण ने भी कृष्ण कुंज वेलफेयर सोसाईटी के चुनावों में पैरा 4 में वर्णित अनुसार पदों के लिए आवेदन किया था, और उन्हें पूरी उम्मीद थी कि यदि नियमानुसार चुनाव सम्पादित करवाये जाते तो वे सफलता को निश्चित ही प्राप्त करते लेकिन चुनाव अधिकारी के गलत तरीके से प्रतिवादीगण को लाभ पहुँचाने की गरज से चुनाव स्थगित कर दिये जाने के कारण वादीगण के विधिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है जिसके लिए मुख्य चुनाव अधिकारी व चुनाव समिति जिम्मेदार है

10. यह कि प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थीगण के पक्ष में बखूबी साबित है और सुविधा का संतुलन प्रार्थी के पक्ष में है।

11. यह की यदि चुनाव प्रक्रिया को जारी नहीं रखा गया तो प्रार्थीगण के विधिक अधिकारों का हनन होगा और उन्हें ऐसी अपूरणीय क्षति होगी जिसकी भरपाई पैसों में नहीं की जा सकती है।

12. यह कि वाद की विषय वस्तु व क्षेत्राधिकार के आधार पर माननीय न्यायालय को यह वाद सुनने व निर्णित करने के अखत्यारात हासिल है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर श्रीमान से निवेदन है कि प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 को आज्ञापक स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जावे कि वो कृष्ण कुंज वेलफेयर सोसाईटी के चुनाव की प्रक्रिया को जारी रखें, तथा प्रार्थीगण की आपत्ती का विधिपूर्ण निस्तारण करें, साथ ही अप्रार्थी संख्या 4 ता 5 को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे कि वो चुनाव प्रक्रिया में किसी किसम की कोई बाधा कारित नहीं करें।

जयपुर  
दिनांक

प्रार्थीगण/वादीगण

(श्री अशोक कुमार गोयल)

( श्री शुभम माथुर )

(श्री महावीर सिंह)

( श्री योगेश घीया )

(श्रीमती सुमन चोटिया)

(श्री संदीप कुमार अग्रवाल)

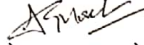
(श्री वरुण बंब)

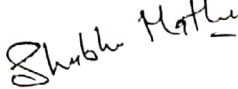
## सत्यापन

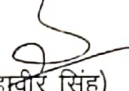
हम महावीर सिंह शेखावत निवासी विला नम्बर 84, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान, शुभम माथुर निवासी विला नम्बर 116, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान एवं योगेश घीया निवासी विला नम्बर 10, कृष्णा कुंज विलाज, शेखावत मार्ग, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान के रहने वाले तसदीक करते हैं कि प्रार्थना पत्र के पद संख्या 1 से 12 में अंकित तमाम तथ्य हमारी निजी जानकारी से सही व सत्य हैं व कानूनी मदात को मैं अंकित तथ्यों को हम अपने विधिक सलाकार की सलाह से सही व सत्य होने का विश्वास करते हैं। ईश्वर हमारा साक्षी है।

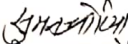
जयपुर  
दिनांक


वादीगण / प्रार्थीगण


  
(श्री अशोक कुमार गोयल)

  
( श्री शुभम माथुर )

  
( श्री योगेश घीया )

  
(श्रीमती सुमन चोटिया)

  
(श्री संदीप कुमार अग्रवाल)

  
(श्री वरुण बंब)





8/17  
11/6/24

9/1

# विवादाओं के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय अतिरिक्त सिविल मामलों के न्यायालय एवं न्यायाधीश (पंचायत)  
न्यायाधीश विरुद्ध न्यायाधीश

वाद बाबत सुनवाई के लिए

बनाम रानी सुंदर लाल वाद सं० 180 सन् 2024  
पुत्र जाति कुमार

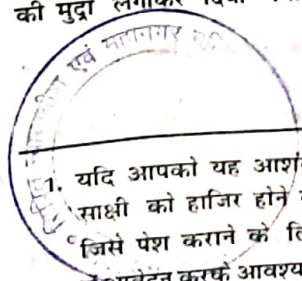
स्थान वि. नं. 60, जवाहर नगर, जयपुर  
कालाह रीट, जयपुर

ने आपके विरुद्ध प्रतिनिधि के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 06 माह 07 सन् 2024 को दिन में 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात

(हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता० 11 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।



[Signature]  
न्यायाधीश

- यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश कराने के लिये साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्च की रकम जमा कराके ले सकते हैं।
- यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि दावे के खर्च के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावे जिसे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरुद्ध न करना पड़े।

# विवाहकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

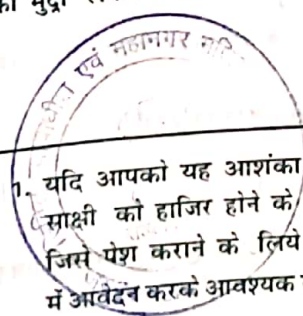
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं महापात्री एवं महापात्री नरसिंह (पंजीय)  
जयपुर नरसिंह (पंजीय)  
स्थान जयपुर नरसिंह (पंजीय)  
विरुद्ध नवीन & कि. व. अ. अ.

वाद बाबत सर्विसिंग के अर्थात्  
वाद सं० 190/2024 सन् 2024  
बनाम जगदीश चौधरी पुत्र अनवरुथ सुब्बान जाति बिचलपुर सोमेश  
स्थान विश्व नगर 71.22, कुपवाड़ा जिला, शेवालकरा जिला  
कालवाड़ वी. ई. शारदा, जयपुर

ने आपके विरुद्ध अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 06 माह 07 सन् 2024 को दिन में 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता० 11 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।



[Signature]  
न्यायधीश

- यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश कराने के लिये साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्च की रकम जमा कराके ले सकते हैं।
- यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि दावे के खर्च के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरुद्ध न करना पड़े।

# विवाहकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय ..... अतिरिक्त सिविल जज/मजिस्ट्रेट एवं न्यायाधीश (परिवार) .....  
स्थान ..... जयपुर न्यायालय (सिविल) .....

..... महावीर सिंह व अन्य ..... विरुद्ध ..... श्री गीता देवी व अन्य .....

वाद बाबत ..... 2 घण्टे (10:30 AM) .....

बनाम ..... प्रवीण लाली .....  
जन्म तिथि ..... 18/01/2024 .....

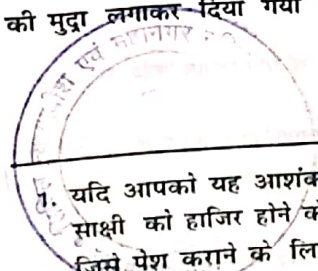
स्थान ..... विला नंबर 181, सुभा 3/3, जयपुर न्यायालय क्षेत्र, जयपुर .....

..... ने आपके विरुद्ध ..... (परिवार) के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय

में तारीख ..... 06 ..... माह ..... 07 ..... सन् ..... 2024 ..... को दिन में ..... 10:30 AM ..... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता 0 ..... 11 ..... माह ..... 06 ..... सन् ..... 2024 ..... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।



.....  
न्यायधीश

1. यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश कराने के लिये साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्च की रकम जमा कराके ले सकते हैं।
2. यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि दावे के खर्च के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरुद्ध न करना पड़े।

.....  
80

# विवादकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय ..... अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायाधीश (परिचय) स्थान

..... जयपुर नगर जिला विरुद्ध नवीन ठाकुर व अन्य

वाद वावत ..... 2.26.24

वाद सं० ..... 100/2024

बनाम ..... कृष्ण माल शर्मा पुत्र युगल अचिरा 5000 रु. के मुद्दे पर मुजराई

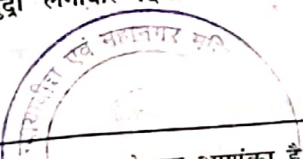
स्थान ..... विला नगर 119, 5000 रु. के मुद्दे पर मुजराई, 2.26.24

..... ने आपके विरुद्ध ..... के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय

में तारीख 06 माह 07 सन् 2024 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता 06 माह 11 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।



..... न्यायधीश

1. यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश कराने के लिये साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्च की रकम जमा कराके ले सकते हैं।
2. यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि दावे के खर्च के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरुद्ध न करना पड़े।

Handwritten signature/initials at the bottom left.